Read Only - Save a copy to edit.

इतिहास के आइने में आज

1727: महाराजा जय सिंह द्वितीय ने जयपुर शहर की स्थापना की। शहर के वास्तुकार बंगाल के विद्याधर चक्रवर्ती थे।
1738: फ्रांस और ऑस्ट्रिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर।
1772: पेशवा माधवराव प्रथम के छोटे भाई नारायणराव ने गद्दी संभाली।
1833: हॉलैंड और बेल्जियम के बीच जॉनहोवेन संधि पर हस्ताक्षर।
1888: भारत के योग गुरु, आयुर्वेद के वैद्य तथा विज्ञान तिरुमलाई कृष्णमाचार्य का जन्म।

अधिकतम तापमान 28.00 ° >> न्यूनतम तापमान 15.00 ° >> सूर्योदय 06.28 >> सूर्यास्त 17.15 >> डॉलर 84.48 >> यूरो 88.96 >>

PRN-KPC

साप्ताहिक समाचार पत्र

www.karmkasauti.com

कर्म कसौटी

जनता की आवाज, जनता का सिपाही

वर्ष : 10 | अंक : 46 | 18 नवम्बर 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य: ₹ 2.00 कानपुर से प्रति सोमवार प्रकाशित

सीएसए में फ्रेशर पार्टी-2024 का हुआ आयोजन

कर्म कसौटी, कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा स्नातक कृषि, वानिकी, उद्यान एवं सामुदायिक विज्ञान के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी-2024 का आयोजन किया। इसमें प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी प्रतिभाओं का प्रर्दशन किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न ब्रांचो के छात्रों ने कई प्रकार की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रर्दशन किया। फ्रेशर पार्टी का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कुलपति ने छात्र-छात्राओं को शिक्षा का उत्तम प्रयोग कर उज्जवल भविष्य बनाने का रास्ता बताया। उन्होंने कहा कि कठिन रास्तों में अपनी सूझबूझ व बुद्धिमत्ता के साथ अपनी मंजिल को पाना है। आप सभी विश्वविद्यालय परिवार का हिस्सा है अपने माता पिता तथा विश्वविद्यालय के गुरुओं का नाम रोशन करें। फ्रेशर पार्टी-2024 के विजेता मिस्टर फ्रेशर कृषि के प्रथम वर्ष के छात्र विपुल द्विवेदी रहें। मिस फ्रेशर उद्यान की छात्रा महिमा मीना रहीं। कुलपति ने सभी नवांगन्तुक छात्र-छात्रों को आर्शीवाद प्रदान करने के साथ ही उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं को अनुशासन में रहने की सीख देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से पधारे अधिष्ठाता कृषि डॉ. सी.एल. मौर्या, निदेशक शोध डॉ. पी.के. सिंह, विश्वविद्यालय सुरक्षा अधिकारी डॉ. ए.के. सिंह, डॉक्टर कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने भी छात्रों को अपनी आर्शीवाद प्रदान किया।

सीएसए में फ्रेशर पार्टी-2024 का हुआ आयोजन

कर्म कसौटी, कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा स्नातक कृषि, वानिकी, उद्यान एवं सामुदायिक विज्ञान के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी-2024 का आयोजन किया। इसमें प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी प्रतिभाओं का प्रर्दशन किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न ब्रांचो के छात्रों ने कई प्रकार की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रर्दशन किया। फ्रेशर पार्टी का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कुलपति ने छात्र-छात्राओं को शिक्षा का उत्तम प्रयोग कर उज्जवल भविष्य बनाने का रास्ता बताया। उन्होंने कहा कि कठिन रास्तों में अपनी सूझबूझ व बुद्धिमत्ता के साथ अपनी मंजिल को पाना है। आप सभी विश्वविद्यालय परिवार का हिस्सा है अपने माता पिता तथा विश्वविद्यालय के गुरुओं का नाम रोशन करें। फ्रेशर पार्टी-2024 के विजेता मिस्टर फ्रेशर कृषि के प्रथम वर्ष के छात्र विपुल द्विवेदी रहें। मिस फ्रेशर उद्यान की छात्रा महिमा मीना रहीं। कुलपति ने सभी नवांगन्तुक छात्र-छात्रों को आर्शीवाद प्रदान करने के साथ ही उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं को अनुशासन में रहने की सीख देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से पधारे अधिष्ठाता कृषि डॉ. सी.एल. मौर्या, निदेशक शोध डॉ. पी.के. सिंह, विश्वविद्यालय सुरक्षा अधिकारी डॉ. ए.के. सिंह, डॉक्टर कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने भी छात्रों को अपनी आर्शीवाद प्रदान किया।

Read Only - Save a copy to edit.

इतिहास के आइने में आज

1727: महाराजा जय सिंह द्वितीय ने जयपुर शहर की स्थापना की। शहर के वास्तुकार बंगाल के विद्याधर चक्रवर्ती थे।
1738: फ्रांस और ऑस्ट्रिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर।
1772: पेशवा माधवराव प्रथम के छोटे भाई नारायणराव ने गद्दी संभाली।
1833: हॉलैंड और बेल्जियम के बीच जोनहोवेन संधि पर हस्ताक्षर।
1888: भारत के योग गुरु, आयुर्वेद के वैद्य तथा विद्वान तिरुमलाई कृष्णमाचार्य का जन्म।

अधिकतम तापमान 28.00 * >> न्यूनतम तापमान 15.00 * >> सूर्योदय 06.28 >> सूर्यास्त 17.15 >> डॉलर 84.48 >> यूरो 88.96 >>

PRN-KPC

साप्ताहिक समाचार पत्र

www.karmkasauti.com

कर्म कसौटी

जनता की आवाज़, जनता का सिपाही

वर्ष : 10 | अंक : 46 | 18 नवम्बर 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य: ₹ 2.00 | कानपुर से प्रति सोमवार प्रकाशित

दो दिवसीय पशु रोग प्रबंधन प्रशिक्षण का हुआ समापन

कर्म कसौटी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का शनिवार को समापन हुआ। जिसमें किसानों को खुरपका, मुंहपका रोग के विषय में बताया गया। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि पशुओं में खुरपका, मुंहपका रोग विषाणु जनित रोग है, जिसका प्रभाव गौ वंसीय पशुओं में ज्यादा होता है। इस रोग से प्रभावित पशु के लिए मुँह से अत्यधिक लार का टपकना (रस्सी जैसा) जीभ तथा तलवे पर छालों का उभरना जो बाद में फट कर घाव में बदल जाते हैं।

जीभ की सतह का निकल कर बाहर आ जाना एवं थूथनों पर छालों का उभरना। खुरों के बीच में घाव होना जिसकी वजह से पशु का लंगड़ा कर चलना या चलना बंद कर देता है। इसके प्रमुख लक्षण है, इस रोग का विशेष उपचार नहीं है फिरभी इनकी उचित देखभाल जिसके अंतर्गत लक्षणों के आधार पर उपचार एंटीबायोटिक, दर्द बुखार रोकने की दवाएं (अनालजेसिक) तथा मुंह के व खुरो के छाले इत्यादि की एंटीबायोटिक घोल से धुलाई, नरम व सुपाच्य भोजन की आपूर्ति व रोगी पशुओं एक जगह रखना इत्यादि किया जा सकता है। इस रोग के प्रभावी रोकथाम के लिए खुरपका मुहपका की पलिवेलेंट वैक्सीन द्वारा टीकाकरण ही उचित उपाय है। डाक्टर कांत ने बताया की इस रोग का टीका प्रति वर्ष 6 महीने के अंतराल पर मुख्यरूप से जनवरी से फरवरी व जुलाई से अगस्त में अवश्य लगवाना चाहिए, जिससे इस रोग से अपने पशुओं को बचाया जा सके। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, कृषि प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय, भगवान पाल, गौरव शुक्ला एवं शुभम यादव आदि मौजूद रहे।

दो दिवसीय पशु रोग प्रबंधन प्रशिक्षण का हुआ समापन

कर्म कसौटी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का शनिवार को समापन हुआ। जिसमें किसानों को खुरपका, मुंहपका रोग के विषय में बताया गया। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि पशुओं में खुरपका, मुंहपका रोग विषाणु जनित रोग है, जिसका प्रभाव गौ वंसीय पशुओं में ज्यादा होता है। इस रोग से प्रभावित पशु के लिए मुँह से अत्यधिक लार का टपकना (रस्सी जैसा) जीभ तथा तलवे पर छालों का उभरना जो बाद में फट कर घाव में बदल जाते हैं।

जीभ की सतह का निकल कर बाहर आ जाना एवं थूथनों पर छालों का उभरना। खुरों के बीच में घाव होना जिसकी वजह से पशु का लंगड़ा कर चलना या चलना बंद कर देता है। इसके प्रमुख लक्षण है, इस रोग का विशेष उपचार नहीं है फिरभी इनकी उचित देखभाल जिसके अंतर्गत लक्षणों के आधार पर उपचार एंटीबायोटिक, दर्द बुखार रोकने की दवाएं (अनालजेसिक) तथा मुंह के व खुरो के छाले इत्यादि की एंटीबायोटिक घोल से धुलाई, नरम व सुपाच्य भोजन की आपूर्ति व रोगी पशुओं एक जगह रखना इत्यादि किया जा सकता है। इस रोग के प्रभावी रोकथाम के लिए खुरपका मुहपका की पलिवेलेंट वैक्सीन द्वारा टीकाकरण ही उचित उपाय है। डाक्टर कांत ने बताया की इस रोग का टीका प्रति वर्ष 6 महीने के अंतराल पर मुख्यरूप से जनवरी से फरवरी व जुलाई से अगस्त में अवश्य लगवाना चाहिए, जिससे इस रोग से अपने पशुओं को बचाया जा सके। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, कृषि प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय, भगवान पाल, गौरव शुक्ला एवं शुभम यादव आदि मौजूद रहे।